'अटल' अभियान हमारा है

"बुद्ध, चाणक्य की तप:स्थली को
महावीर की केवल्य भूमि को
गणतंत्र की जन्मस्थली को
स्वतंत्रता का पर्याय् बताना है
कश्मीर से कन्याकुमारी तक
गंगा, रावी की जो शपथ अधूरी है
उसे जन-जन तक पहुँचाना है
यही 'अटल' अभियान हमारा है"

विवेकानंद के आदर्शों को
टैगोर, मालवीय के शिक्षा की मशाल को
डॉ राजेन्द्र, जयप्रकाश के युगक्रांति को
संत टेरेसा की दृढ़ क्रांति का सार
बिरसा मुण्डा के तपस्या त्याग
उसे जन-जन तक पहुंचाना है
यही 'अटल' अभियान हमारा है"

दीन दयाल और सरदार पटेल का सपना
अखण्ड भारत फिर एक हो अपना
डॉ० अम्बेडकर का संविधान
हर भारतवासी के लिए है वरदान
श्यामा देवी के हैं संतान
उसे जन-जन तक पहुंचाना है
यही 'अटल' अभियान हमारा है"

मैं एक पत्रकार हूँ

" **मैं एक पत्रकार हूँ**
हूँ तू मैं भी एक देशभक्त
समाज सेवक एवं थोड़ा कलाकार भी
लेकिन उससे क्या?
मैं समाज–परिवार–सरकार में बेकार हूँ
क्योंकि मैं एक पत्रकार हूँ।

आचार अच्छे हैं मेरे
विचार अच्छे हैं मेरे
स्वभाव अच्छा है एवं प्रभाव भी
फिर भी अपने परिवार पर भार हूँ।
क्योंकि मैं एक पत्रकार हूँ।

किसी ने सच ही लिखा है
है अंधेरी रात पर दिया जलाना किसने है रोका
लेकिन यहाँ न तो दिया है न बाती
फिर जलाऊँ कैसे?
मैं तो रौशनी में भी अंधकार हूँ
क्योंकि मैं एक पत्रकार हूँ।

सोचता हूँ मौत को गले लगा लूं
पर जहर वाला भी जहर देता नहीं
वो जानता है जेब से भीखार हूँ
क्योंकि मैं एक पत्रकार हूँ। "